डिग्री में दिखेगा एकेटीयू का पूरा इतिहास

जितनी बार भी विवि का नाम बदला गया, उसकी दी जाएगी जानकारी

बार-बार यूनिवर्सिटी का नाम बदलने से हो रही दिक्कत होगी खत्म

■ एनबीटी, लखनऊ

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एकेटीयू) इस बार से अपने स्टूडेंट्स को दी जाने वाली डिग्री में यूनिवर्सिटी का इतिहास भी बताएगी। इसके तहत डिग्री में यह ब्योरा दिया जाएगा कि यूनिवर्सिटी कब स्थापित हुई और कब-कब इसके नाम बदल गए। इससे एकेटीयू से पास होने वाले स्टूडेंट्स को काफी सहूलियत भी होगी, क्योंकि कई बार यूनिवर्सिटी का नाम बदलने से यहां के स्टूडेंट्स की अलग-अलग साल की मार्कशीट में यूनिवर्सिटी का अलग-अलग नाम लिखा है। ऐसे में उन्हें यूपी के बाहर जॉब के लिए आवेदन में दिक्कत आती थी, लेकिन नई व्यवस्था से यह दिक्कत खत्म हो जाएगी।

पांच साल में तीन बार नाम बदला

साल 2000 में स्थापना के समय यूनिवर्सिटी का नाम उत्तर प्रदेश टेक्निकल यूनिवर्सिटी था। 2010 में इसे महामाया टेक्निकल यूनिवर्सिटी और गौतम बुद्ध टेक्निकल यूनिवर्सिटी के नाम से दो कैंपस में बांट दिया गया। 2012 में सपा सरकार बनने के बाद दोनों कैंपस का आपस में विलय कर यूनिवर्सिटी का नाम यूपीटीयू कर दिया गया। 2015 में फिर यूनिवर्सिटी का नाम बदलकर एकेटीयू कर दिया गया।

एलयू ने राजभवन भेजीं दीक्षांत की नई तिथियां

■ एनबीटी, लखनऊ : लखनऊ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह की तिथि में फेरबदल करते हुए एलयू प्रशासन ने शुक्रवार को राजभवन को दीक्षांत की 10 नई तिथियां अप्रूवल के लिए राजभवन भेजी हैं। भेजी गईं तिथियां 20 जनवरी से 10 फरवरी के बीच की हैं। पहले इसे 19 जनवरी को होना था।

एलयू के कुलपति प्रो. एसबी निमसे ने बताया कि राजभवन से अप्रूवल आते ही इसकी सार्वजनिक घोषणा कर दी जाएगी। नई तिथि आने के बाद दीक्षांत सप्ताह का संशोधित कार्यक्रम दोबारा से जारी किया जाएगा। पहले की तिथि के मुताबिक 12 जनवरी से दीक्षांत सप्ताह की कल्चरल एक्टिविटी शुरू होनी थी। उन्होंने बताया कि प्रोग्राम सभी वहीं रहेंगे सिर्फ तिथि बदलेगी। इसके अतिरिक्त दीक्षांत में और कोई भी फेरबदल नहीं किया जाएगा। वहीं मानद उपाधि देने पर अब भी विचार चल रहा है। गौरतलब है कि मुख्य अतिथि डॉ. हर्षवर्धन की ओर से निर्धारित तिथि पर समारोह में शामिल होने में असमर्थता जताने के बाद इसमें फेरबदल किया जा रहा है।

20 जनवरी से 10 फरवरी के बीच होगा दीक्षांत

डिग्री होगी और भी हाईटेक

इस साल से एकेटीयू अपनी डिग्री को और भी हाईटेक करने जा रहा है। क्यूआर कोड समेत कई सिक्युरिटी फीचर पिछले साल भी डिग्री में शामिल किए गए थे। इस साल से नॉन स्कैनेबल बॉर्डर और बैक साइड पर यूनिवर्सिटी के नाम के अल्फाबेट के बार्डर समेत कई अन्य सिक्युरिटी फीचर शामिल किए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. बीएन मिश्रा ने बताया कि 22 जनवरी 2016 को होने वाले दीक्षांत समारोह में स्टूडेंट्स को यही डिग्री दी जाएगी। इसके अलावा डिग्री का डेटाबेस ऑनलाइन कर दिया जाएगा। इससे डिग्री के वैरिफिकेशन के लिए कंपनियों को यूनिवर्सिटी में आवेदन नहीं करना होगा। डिग्री पर पड़े कोड को स्कैन करने से ही स्टूडेंट्स का ऑनलाइन डेटा मिल जाएगा।